अन्तर्सत्र अवधि में सलाहकार समितियों की बैठक

2638. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नियमों के अनुसार विभिन्न मंत्रालयों से संबंध सलाहकार समितियों की बैठक संसद् के प्रत्येक सत्र के बाद कम से कम एक बार अवश्य की जानी चाहिये ;

(ख) क्या रेल मंत्रालय से संबद्ध सलाहकार समिति की बैठक संसद के नवें तथा 10 वें सत्र के बीच की अवधि में आयोजित नहीं की गई थी ;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) इस प्रकार की अनियमितता की पुनरावृत्ति को रोकने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) और (ख). जी हां ।

(ग) और (घ). दिसम्बर, 1973 के अन्तिम सप्ताह से फरवरी, 1974 के तीसरे सप्ताह तक की सत्रों के बीच की अल्पावधि में परामर्श समिति की बैठक बुलाना व्यावहारिक नहीं पाया गया क्योंकि रेल मंत्री कर्मचारी आन्दोलनों और श्रमिक संघटनों के नेताओं से बातचीत करने और साथ ही 1974–75 का रेलवे बजट तैयार करने से संबंधित कामों में व्यस्त थे । फिर भी, इन बैठकों को नियमित रूप से बुलाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है ।

बिजली के विकास कार्यक्रम पर खर्च

2639. **श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल** : क्या **सिंचाई और विद्युत मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछली पंचवर्षीय योजनाओं में बिजली विकास कार्यक्रमों पर उसके लिए निर्धारित राशि से अधिक राशि खर्च की गई थी परन्तु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्ति में फिर भी कमी रही ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं । और

(ग) पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्ति के लिए क्या विशेष व्यवस्था की जा रही है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) प्रथम योजना के अलावा, विद्युत विकास कार्यक्रमों पर वास्तविक व्यय सभी योजना अवधियों में आयोजित परिव्यय से बढ़ गया है । सभी योजना अवधियों में वास्तविक लक्ष्यों की प्राप्ति में कमी रही है ।

(ख) इनके मुख्य कारण ये हैं :—(1) सामग्री संयंत्रों व उपस्कर की कीमतों में वृद्धि के कारण परियोजनाओं की लागत में वृद्धि ; (2) मजदूरी में वृद्धि, (3) 1966 में रुपए के अवमूल्यन का प्रभाव ; (4) अपर्याप्त अन्वेषण तथा परियोजना तैयार करने में कमियां, विशेषतया जल विद्युत परियोजनाओं के संबंध में; (5) उचित समय पर आवश्यक निर्माण सामग्री तथा धन की अनुपलब्धता ; (6) श्रमिक अशांति; (7) संयंत्रों व उपस्कर की प्राप्ति में विलम्ब; (8) संगठनात्मक तथा प्रबंध संबंधी कमजोरियां ।

(ग) पांचवीं योजना के लिए निश्चित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं :—

(1) विद्युत-उद्योग के पुनर्गठन के लिए प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिससे संगठनात्मक तथा प्रबंध संबंधी कमियों को दूर किया जा सके ।

(2) विद्युत परियोजनाओं के लिए धन और अन्य सामग्री निवेश की पर्याप्त तथा समय पर उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं ।

(3) स्वदेशी स्त्रोत से संयंत्रों और उपस्कर की अधिक उपलब्धता से बड़े पैमाने पर आयात से संबंद्ध अनिश्चितता दूर हो जाएगी ।